भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2326

(दिनांक 08.08.2025 को उत्तर देने के लिए)

वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना

2326. श्री मिथलेश कुमार:
श्री मदन राठौड़:
श्री अमर पाल मौर्य:
श्रीमती धर्मशीला गुप्ता:
श्री केसरीदेवसिंह झाला:

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वेव्स ओ.टी.टी प्लेटफॉर्म पर भाषायी और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ाने के लिए साझेदारियों पर विचार किया है;

(ख) वेव्स ओ.टी.टी निजी ओ.टी.टी प्लेटफॉर्म्स से प्रतिस्पर्धा करने की क्या कार्यनीति अपना रहा है; और

(ग) वेव्स ओ.टी.टी को ग्रामीण क्षेत्रों तथा श्रेणी-2/श्रेणी-3 के नगरों में जनता के बीच लोकप्रिय और सुलभ बनाने हेतु प्रचार-प्रसार और संवर्द्धन संबंधी क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर
सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री
(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (ग): वेव्स ओटीटी ने भाषायी और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ाने के लिए कई साझेदारियाँ की हैं। वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म अनेक भारतीय भाषाओं और बोलियों में प्लेटफार्म पर सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कंटेंट क्रिएटर्स, क्षेत्रीय प्रसारकों और सांस्कृतिक संस्थानों के एक विस्तृत नेटवर्क के साथ काम कर रहा है। यह प्लेटफॉर्म विविध सामग्री को व्यापक क्षेत्रीय ऑडियंस के लिए खोज योग्य और सुलभ बनाने हेतु उप-शीर्षक और मेटाडेटा संवर्धन का भी समर्थन करता है।

यह आकाशवाणी और दूरदर्शन की क्षेत्रीय सामग्री क्षमताओं का भी लाभ उठा रहा है। दूरदर्शन के सभी 35 सैटेलाइट चैनल और आकाशवाणी के विभिन्न क्षेत्रीय चैनल वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, क्षेत्रीय सामग्री प्रदर्शित करने वाले और विभिन्न संस्कृतियों को कवर करने वाले अनेक एफटीए (फ्री-टू-एयर) प्रसारणकर्ता भी वेव्स पर उपलब्ध हैं।

वेव्स ओटीटी एक फ्री-टू-एक्सेस प्लेटफॉर्म है जो स्मार्टफोन और इंटरनेट-सक्षम उपकरणों पर उपलब्ध है और जो व्यापक डिजिटल पहुँच सुनिश्चित करता है। यह आकाशवाणी और दूरदर्शन के विशाल अभिलेखागार और लाइव स्ट्रीम से प्राप्त विश्वसनीय, सूचनात्मक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध सामग्री प्रदान करके अपनी अलग पहचान बनाता है। इस प्लेटफॉर्म की मुख्य कार्यनीति भारतीय विरासत, क्षेत्रीय विविधता, लोक सेवा कार्यक्रम और समाचारों के साथ-साथ चुनिंदा मनोरंजन सामग्री को प्रदर्शित करने पर बल देती है - और वह भी बिना किसी सदस्यता शुल्क के।

यह लोक सेवा-संचालित दृष्टिकोण प्राइवेट ओटीटी प्लेटफॉर्मों के व्यावसायिक, मनोरंजन-केंद्रित मॉडल के विपरीत है। इस प्लेटफॉर्म ने पहुँच और दर्शकों की सहभागिता बढ़ाने के लिए उपयोगकर्ता-केंद्रित सुविधाओं को एकीकृत किया है।

ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म को लोकप्रिय बनाने के लिए विभिन्न संवर्धनात्मक और लोकसंपर्क प्रयास किए गए हैं। इनमें आकाशवाणी और दूरदर्शन चैनलों के साथ-साथ माईजीओवी प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रचार शामिल है। क्षेत्रीय भाषाओं में लक्षित सोशल मीडिया अभियान चलाए जा रहे हैं ताकि इन क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुंचा जा सके। प्रसार भारती ने ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) के माध्यम से जमीनी स्तर पर सक्रियता के लिए कॉमन सर्विस सेंटर्स (सीएससी) के साथ भी सहभागिता की है।

*****